



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 262]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, नवम्बर 22, 2012/अग्रहायण 1, 1934

No. 262]

NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 22, 2012/AGRAHAYANA 1, 1934

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

( वाणिज्य विभाग )

( पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय )

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 नवम्बर, 2012

जांच शुरुआत

विषय : चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सेफ्ट्रिआक्सोन सोडियम स्ट्राइल के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच की निर्णायक समीक्षा ( एस एस आर ) ।

फा. सं. 15/12/2012-डीजीएडी.—वर्ष 1995 तथा उसके पश्चात् यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात् अधिनियम कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियम, 1995 (जिसे एतदपश्चात् पाटनरोधी नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए, चीन जन.गण. (जिसे एतदपश्चात् सम्बद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सेफ्ट्रिआक्सोन सोडियम स्ट्राइल (जिसे एतदपश्चात् सम्बद्ध वस्तु कहा गया है) के आयात पर निर्दिष्ट प्राधिकारी ने (जिसे एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने की सिफारिश की थी ।

2. यतः, सम्बद्ध वस्तु का सम्बद्ध देश से आयातों के संबंध में प्राधिकारी द्वारा मूल जांच दिनांक 04 अप्रैल, 2007 की अधिसूचना सं.14/18/2006-डीजीएडी के तहत शुरु की गई थी। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने सम्बद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु के आयातों पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश दिनांक 07 नवम्बर, 2007 की अधिसूचना सं. 14/18/2006-डीजीएडी के तहत की थी। केन्द्रीय सरकार ने सम्बद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु के आयातों पर 30 नवम्बर, 2007 की अधिसूचना सं. 117/ 2007 के तहत अनंतिम शुल्क अधिरोपित किया था। प्राधिकारी ने सम्बद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु के आयातों पर निर्णायक शुल्क का अधिरोपण करने की सिफारिश करते हुए अंतिम निष्कर्ष अधिसूचना दिनांक 2 जुलाई, 2008 की अधिसूचना सं. 14/18/2006-डीजीएडी के तहत जारी की गई थी और केन्द्रीय सरकार ने दिनांक 27 अगस्त, 2008 की अधिसूचना सं. 98/ 2008 के तहत निर्णायक पाटनरोधी शुल्क अधिरोपित किया था।

3. यतः, मै. सुझोऊ डानरेज फार्मास्युटिकल्स कम्पनी लिमिटेड, चीन जन गण से निर्यातकों में से एक, ने प्राधिकारी द्वारा जारी दिनांक 2.7.2008 के अंतिम निष्कर्ष तथा दिनांक 27.8.2008 की सीमा शुल्क अधिसूचना सं. 98/2008-सीयूएस को चुनौती देते हुए माननीय सीईएसटीएटी, नई दिल्ली के समक्ष एक अपील दायर की और माननीय सीईएसटीएटी ने 5 जुलाई, 2012 के अपने आदेश के तहत उक्त अपीलकर्ता के संबंध में निर्धारित पाटनरोधी शुल्क में संशोधन कर दिया ।

4. यतः, मै. नेक्टर लाइफसाइन्सेस लिमिटेड, चंडीगढ़ और मै. कोप्रान लिमिटेड, मुम्बई ने, भारत में सम्बद्ध वस्तु के उत्पादकों की ओर से, निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष, चीन जन गण के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु के पाटन की निरन्तरता बने रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने तथा उसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को क्षति होने की संभावना का आरोप लगाते हुए अधिनियम और नियमों के अनुसार विधिवत प्रमाणीकृत एक आवेदनपत्र दायर

किया है और सम्बद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु के आयातों पर अधिरोपित पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा करने, उसकी निरंतरता बनाए रखने और उसमें वृद्धि करने का अनुरोध किया है।

### घरेलू उद्योग

5. निर्णायक समीक्षा के लिए यह आवेदनपत्र, घरेलू उद्योग की ओर से मै. नेक्टर लाइफसाइन्सेस लिमिटेड, चंडीगढ़ और मै. कोप्रान लिमिटेड, मुम्बई द्वारा दायर किया गया है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार आवेदकों का सम्बद्ध वस्तु का भारतीय उत्पादन में एक प्रमुख हिस्सा बनता है और अतः नियमों के आशय के अंतर्गत वे घरेलू उद्योग बनते हैं।

### विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

6. मूल जांच तथा वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में विचाराधीन उत्पाद "सेफ्ट्रिआक्सोन सोडियम स्टराइल" है। यह निर्णायक समीक्षा जांच होने के कारण, वर्तमान जांच का विचाराधीन उत्पाद वही रहेगा जो मूल जांच का था। मूल जांच तथा वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में विचाराधीन उत्पाद (पी यू सी) सेफ्ट्रिआक्सोन सोडियम स्टराइल ही है जिसे सेफ्ट्रिआक्सोन डायसोडियम हेमीहेप्टाहाइड्रेट स्टराइल (सी18एच16एन8एनए2ओ7एस331/ 2एच2ओ) के नाम से भी जाना जाता है। यह तृतीय जनरेशन पैरेन्टरल सिफालोस्पोरिन एंटीबायोटिक है। 'सेफ्ट्रिआक्सोन सोडियम स्टराइल' मुख्यतः एक सक्रिय फार्मास्युटिकल संघटक वस्तु (ए पी आई ) है जिसका उपयोग इन्द्रावीनस या इन्द्रामस्कूलर एडमिनिस्ट्रेशन के लिए इन्जेक्शन फिलिंग के फार्मुलेशन के रूप में किया जाता है। इस उत्पाद का उपयोग मुख्यतः निचले श्वसन पथ संक्रामण, त्वचा एवं त्वचा स्ट्रक्चर संक्रामण, श्रेणि ज्वलन रोग, अंतरा-उदरीय संक्रामण, अनकाम्प्लीकेटेड गोनोरिया संक्रामण और सर्जिकल प्रोफाइलैक्सिस के लिए किया जाता है। सेफ्ट्रिआक्सोन सोडियम स्टराइल के उत्पादन में प्रयोग किया जाने वाला प्रमुख कच्चा माल 7- एसीए (7- एमिनो सिफालोस्पोरिनिक एसिड) है,

जिसका उत्पादन सिफालोस्पोरिन-सी का उत्क्षोभण (फर्मेन्टेशन) करके किया जाता है।

7. आवेदकों ने दावा किया है कि इस विचाराधीन उत्पाद को सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की प्रथम अनुसूची के सीमा शुल्क उपशीर्षक 2941 एवं 2942 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है और संगत आठ अंकीय स्तर का वर्गीकरण है "2941.9090 और 2942.0090"। केन्द्रीय सरकार ने 27 अगस्त, 2008 कि सीमाशुल्क अधिसूचना संख्या 98/2008-सीमाशुल्क के तहत सीमाशुल्क शीर्ष संख्या 29409090 के अंतर्गत निर्णायक पाटनरोधी शुल्क अधिरोपित किया था। तथापि, सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल संकेतक है और यह इस जांच के दायरे में किसी भी तरह से बाध्यकारी नहीं है।

8. आवेदकों ने दावा किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु आयातित उत्पाद के भौतिक एवं तकनीकी गुणधर्म, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्य एवं प्रयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत निर्धारण, वितरण एवं विपणन तथा टैरिफ वर्गीकरण जैसे पैरामीटरों के रूप में समान वस्तु है।

#### निर्णायक समीक्षा की शुरुआत

9. यतः, साक्ष्यों सहित विधिवत दायर आवेदन के मद्देनजर और पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के साथ पठित अधिनियम की धारा 9क (5) के अनुसार प्राधिकारी सम्बद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु के संबंध में प्रभावी शुल्क के अधिरोपण की निरंतरता बनाए रखने की जरूरत की समीक्षा करने और यह जांच करने के लिए कि क्या इस शुल्क के समापन से पाटन की अवस्थिति बने रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने एवं घरेलू उद्योग को क्षति होने की संभावना है, एतद्वारा निर्णायक समीक्षा जांच प्रारंभ करते हैं।

### शामिल देश

10. इस जांच में शामिल देश चीन जन.गण. है।

### जांच अवधि

11. वर्तमान समीक्षा के प्रयोजनार्थ जांच अवधि (पीओआई) 1 जुलाई, 2011 से 30 जून, 2012 (12 माह) है। तथापि क्षति विश्लेषण में अप्रैल, 2009-मार्च, 2010, अप्रैल, 2010 - मार्च, 2011, अप्रैल, 2011- मार्च, 2012 और जांचावधि शामिल होगी।

### प्रक्रिया

12. वर्तमान निर्णायक समीक्षा में मूल जांच के दिनांक 2 जुलाई, 2008 की अधिसूचना संख्या 14/18/2006-डीजीएडी के तहत प्रकाशित अंतिम निष्कर्ष के सभी पहलू शामिल होंगे।

13. नियम 6, 7, 8, 9, 10, 11, 16, 17, 18, 19 तथा 20 के तथा उसके अधीन बने नियमों के सभी प्रावधान आवश्यक परिवर्तनों सहित लागू होंगे।

### सूचना प्रस्तुत करना

14. संबद्ध देशों में ज्ञात निर्यातकों और संबद्ध देश की सरकार को भारत स्थित उनके दूतावास के जरिए, भारत में इस उत्पाद से संबंधित ज्ञात आयातकों और उनके प्रयोक्ताओं को निर्धारित स्वरूप और ढंग से संगत जानकारी प्रस्तुत करने और प्राधिकारी को अपने विचारों से अधोलिखित पते पर अवगत कराने के लिए अलग से संबोधित किया जा रहा है:

43744/12-2

**निर्दिष्ट प्राधिकारी**  
**पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय**  
**वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय**  
**वाणिज्य विभाग**  
**कमरा सं. 240, उद्योग भवन,**  
**नई दिल्ली-110011**

15. कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी नीचे निर्धारित समय-सीमा के भीतर निर्धारित प्रपत्र में एवं ढंग से जांच से संगत निवेदन कर सकता है। प्राधिकारी के समक्ष गोपनीय प्रस्तुतिकरण करने वाले प्रत्येक पक्षकार को उसका अन्य पक्षकारों के लिए अ-गोपनीय पाठ भी प्रस्तुत करना अपेक्षित होगा।

**समय-सीमा**

16. वर्तमान जांच से संबंधित कोई भी सूचना तथा सुनवाई हेतु कोई भी अनुरोध लिखित में भेजा जाना चाहिए जो प्राधिकारी के पास उपर्युक्त पते पर इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से 40 दिन (चालीस दिन) के भीतर पहुंच जाना चाहिए। यदि निर्धारित अवधि के भीतर कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है अथवा अधूरी सूचना प्राप्त होती है, तो निर्दिष्ट प्राधिकारी, पाटनरोधी नियमावली के अनुसरण में, रिकार्ड में "उपलब्ध तथ्यों" के आधार पर अपने परिणाम दर्ज कर सकते हैं।

17. सभी हितबद्ध पक्षकारों को एतद्वारा सलाह दी जाती है कि वे प्रस्तुत मामले में अपने हित (हित की प्रवृत्ति सहित) के बारे में सूचित करें और अपनी-अपनी प्रश्नावलियों के प्रत्युत्तर दायर करें तथा पाटनरोधी उपायों को जारी रखने अथवा नहीं जारी रखने की आवश्यकता के बारे में घरेलू उद्योग के आवेदन पर अपनी टिप्पणियां इस जांच के शुरू होने की तारीख से चालीस (40) दिनों के अंदर प्रस्तुत करें।

### गोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करना

18. यदि प्रश्नावली के उत्तर/ निवेदन के किसी भाग के लिए गोपनीयता का दावा किया जाता है तो उसे दो अलग-अलग सेटों में प्रस्तुत किया जाना अपेक्षित होगा (क) गोपनीय के रूप में चिह्नित (शीर्षक, सूची, पृष्ठ सं. इत्यादि सहित) तथा (ख) दूसरा सेट अगोपनीय के रूप में चिह्नित (शीर्षक सूची पृष्ठ सं. इत्यादि सहित)। प्रस्तुत की गई प्रत्येक सूचना के प्रत्येक पृष्ठ के ऊपर स्पष्ट रूप से "गोपनीय" अथवा "अगोपनीय" चिह्नित होना अनिवार्य है।

19. किसी चिन्ह के बिना प्रस्तुत की गई सूचना को अगोपनीय माना जाएगा और प्राधिकारी के पास अन्य हितबद्ध पक्षकारों को ऐसी अगोपनीय सूचना का अवलोकन करने की अनुमति देने का अधिकार होगा। गोपनीय रूपांतर की दो (2) प्रतियां और अगोपनीय पाठ की पांच (05) प्रतियां सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत की जानी चाहिए।

20. जिस सूचना के लिए गोपनीयता का दावा किया गया हो; उस सूचना के प्रदाता द्वारा प्रस्तुत सूचना के साथ समुचित कारणों सहित इस आशय का एक विवरण प्रस्तुत करना अपेक्षित है कि ऐसी सूचना का प्रकटन क्यों नहीं किया जा सकता है तथा/ अथवा ऐसी सूचना का सारांश तैयार करना क्यों संभव नहीं है।

21. अगोपनीय सूचना, गोपनीय सूचना की प्रतिकृति होना अपेक्षित है जिसके साथ गोपनीय सूचना को, उस सूचना के आधार पर जिस पर गोपनीयता का दावा किया गया है, सूचीबद्ध किया जाए या रिक्त छोड़ दिया जाए/ संक्षेप में बताया जाए। अगोपनीय सारांश गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना के विषय का एक युक्तिसंगत विवरण होना चाहिए जिससे उस विषय को समझा जा सके। फिर भी, विशेष परिस्थितियों में, गोपनीय सूचना प्रस्तुत करने वाला पक्षकार दर्शा सकता है कि ऐसी सूचना का सार प्रस्तुत करना संभव नहीं है और कारणों

का ब्यौरा कि क्यों संक्षेपण संभव नहीं है, निर्दिष्ट प्राधिकारी की संतुष्टि हेतु मुहैया कराना चाहिए।

22. प्रस्तुत सूचना की प्रकृति की जांच पर गोपनीयता हेतु निवेदन को प्राधिकारी स्वीकार या अस्वीकार कर सकता है। यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी संतुष्ट है कि गोपनीयता हेतु निवेदन प्राधिकृत नहीं है अथवा सूचना प्रदायक या तो सूचना सार्वजनिक करने को अनिच्छुक है या सामान्य अथवा संक्षिप्त रूप में इसके प्रकटीकरण को प्राधिकृत नहीं कर रहा है, तो वे इस तरह की सूचना का अवहेलना कर सकते हैं।

23. सार्थक अगोपनीय रूपान्तर के बिना अथवा गोपनीयता की मांग के लिए उचित कारण का ब्यौरा दिए बिना किसी तरह का निवेदन निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा दर्ज नहीं किया जाएगा। निर्दिष्ट प्राधिकारी प्रदान की गई सूचना की गोपनीयता की आवश्यकता से संतुष्ट होने की स्थिति में तथा इसे स्वीकार करते हुए, इस तरह की सूचना प्रदान करने वाली पार्टी के विशिष्ट प्राधिकार के बिना उसे किसी अन्य पार्टी के समक्ष प्रकट नहीं करेंगे।

#### सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

24. नियम 6 (7) के अनुसार कोई भी हितबद्ध पक्षकार अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों के अगोपनीय रूपान्तर वाली सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है।

#### असहयोग

25. यदि कोई हितबद्ध पक्षकार आवश्यक सूचना जुटाने से मना करता है या उचित समय के भीतर उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराता है अथवा जांच में अत्यधिक बाधा डालता है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी उस हितबद्ध पक्षकार को असहयोगी घोषित कर सकते हैं और अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं तथा केन्द्रीय सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

जे. एस. दीपक, निर्दिष्ट प्राधिकारी



**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY****(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 22nd November, 2012

**INITIATION**

**Subject : Sunset Review (SSR) Anti-dumping Investigation concerning imports of Ceftriaxone Sodium Sterile, originating in or exported from China PR.**

**F. No. 15/12/2012-DGAD.**—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and thereafter (hereinafter referred as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time (hereinafter referred as the Rules), the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) recommended imposition of anti-dumping duty on imports of "Ceftriaxone Sodium Sterile" (hereinafter referred as the subject goods), originating in or exported from China PR (hereinafter referred to as the subject country).

2. WHEREAS, the original investigation concerning imports of the subject goods from the subject country was initiated by the Authority vide notification No. 14/18/2006-DGAD dated 4<sup>th</sup> April, 2007. The preliminary finding was issued by the Authority, recommending imposition of provisional duty on the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country; vide Notification No. 14/18/2006-DGAD dated 7<sup>th</sup> November, 2008. The provisional duty was imposed by the Central Government on the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country, vide Notification No. 117/2007-Customs dated 30th November, 2007. The final finding notification was issued by the Authority vide Notification No. 14/18/2006-DGAD dated 2nd July, 2008, recommending imposition of definitive duty on the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country, and definitive anti-dumping duty was imposed by the Central Government vide Notification No.98/2008-Customs dated 27th August, 2008.
3. WHEREAS, M/s Suzhou Dawnrays Pharmaceutical Co. Limited, one of the exporters from China PR filed an appeal before Hon'ble CESTAT New Delhi challenging the final findings dated 2.7.2008 issued by the Authority and the Custom Notification No 98/2008 -Cus dated 27.8.2008 and the Hon'ble CESTAT vide their order dated 5<sup>th</sup> July 2012 modified the anti-dumping duty determined in respect of the said appellants.

4374 9/12-3

4. Whereas, M/s. Nectar Lifesciences Ltd, Chandigarh and M/s Kopran Ltd, Mumbai have filed a duly substantiated application before the Authority, on behalf of the producers of the subject goods in India, in accordance with the Act and the Rules, alleging likelihood of continuation or recurrence of dumping of the subject goods, originating in or exported from China PR and consequent injury to the domestic industry and have requested for review, continuation and enhancement of the anti-dumping duties, imposed on the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject country.

#### **Domestic Industry**

5. The application for the sunset review has been filed by M/s. Nectar Lifesciences Ltd, Chandigarh and M/s Kopran Ltd, Mumbai, on behalf of the domestic industry. As per the information available, the applicants account for a major proportion in Indian production of the subject goods and therefore constitute the domestic industry within the meaning of the Rules.

#### **Product under consideration and Like Article**

6. The product under consideration, in the original as well as the present sunset review investigation, is "Ceftriaxone Sodium Sterile". The present investigation being a sunset review, the product under consideration remains the same as in the original investigation. The product under consideration (PUC) in the original investigation as well as the present SSR investigation is Ceftriaxone Sodium Sterile, also known as Ceftriaxone Disodium Hemiheptahydrate-Sterile ( $C_{18}H_{16}N_8Na_2O_7S_{33}H_{20}$ ). This is a third generation Parenteral Cephalosporin Antibiotic. Predominantly 'Ceftriaxone Sodium Sterile' is an Active Pharmaceutical Ingredient (API) used for the formulation of filling the injection for intravenous or intramuscular administration. The product is mainly used for the diseases like lower respiratory tract infection, skin & skin structure infection, pelvic inflammatory disease, intra abdominal infection, uncomplicated gonorrhea infection and surgical prophylaxis. Major raw material for production of Ceftriaxone Sodium Sterile is 7-ACA (7-Amino Cephalosporinic Acid), which is produced by fermentation of Cephalosporin-C.
7. The applicant has claimed that the PUC is classified under Customs Heading 2941 & 2942 of the first schedule of the Customs Tariff Act, 1975 and the relevant eight digit level classifications are "2941.9090 & 2942.0090." The definitive Anti-dumping Duty has been imposed by the Central Government vide Customs Notification No.98/2008-Customs dated 27th August, 2008 under the Customs Head 29419090. However, customs classification is indicative only and not binding on the scope of the investigation.
8. The applicants have claimed that the goods produced by the domestic industry are like article to the imported product in terms of parameters such as physical & technical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification.

**Initiation of Sunset Review**

9. WHEREAS, in view of the duly substantiated application filed and in accordance with Section 9 A (5) of the Act, read with Rule 23 of the Anti-dumping Rules, the Authority hereby initiates a Sunset review investigation to review the need for continued imposition of the duties in force in respect of the subject goods, originating in or exported from the subject country and to examine whether the expiry of such duty is likely to lead to continuation or recurrence of dumping and injury to the domestic industry.

**Country involved**

10. The country involved in this investigation is China PR.

**Period of Investigation**

11. The Period of Investigation (POI) for the purpose of the present review is from 1<sup>st</sup> July, 2011 to 30<sup>th</sup> June, 2012 (12 months). However, injury analysis shall cover the periods April, 2009-March, 2010, April, 2010-March, 2011, April, 2011-March, 2012 and the POI.

**Procedure**

12. The present sunset review covers all aspects of the final findings of the original investigation published vide Notification No. 14/18.2006-DGAD dated 2nd July, 2008.
13. The provisions of Rules 6, 7, 8, 9, 10, 11, 16, 17, 18, 19 and 20 of the Rules supra shall be mutatis mutandis applicable in this review.

**Submission of Information**

14. The known exporters in the subject country, the Government of the subject country through its embassy in India, the importers and users in India known to be concerned with the product are being addressed separately to submit relevant information in the form and manner prescribed and to make their views known to the Authority at the following address:

**The Designated Authority**  
**Directorate General of Anti-Dumping and Allied Duties**  
**Ministry of Commerce and Industry**  
**Department of Commerce**  
**Room No. 240, Udyog Bhavan, New Delhi-110011.**

15. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the prescribed form and manner within the time limit set out below. Any party making any confidential submission before the Authority is required to make a non-confidential version of the same available to the other parties.

4374 4/12-4

**Time Limit**

16. Any information relating to the present review and any request for hearing should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days (40 Days) from the date of publication of this Notification. If no information is received within the prescribed time limit or the information received is incomplete, the Authority may record its findings on the basis of the facts available on record in accordance with the Anti-dumping Rules.
17. All the interested parties are hereby advised to intimate their interest (including the nature of interest) in the instant matter and file their questionnaire responses and offer their comments to the domestic industry's application regarding the need to continue or otherwise the Anti-dumping measures within 40 days from the date of initiation of this investigation.

**Submission of information on confidential basis**

18. In case confidentiality is claimed on any part of the questionnaire response/submissions, the same must be submitted in two separate sets (a) marked as Confidential (with title, index, number of pages, etc.) and (b) other set marked as Non-Confidential (with title, index, number of pages, etc.). All the information supplied must be clearly marked as either "confidential" or "non-confidential" at the top of each page.
19. Information supplied without any confidential marking shall be treated as non-confidential and the Authority shall be at liberty to allow the other interested parties to inspect any such non-confidential information. Two (2) copies of the confidential version and five (05) copies of the non-confidential version must be submitted by all the interested parties.
20. For information claimed as confidential; the supplier of the information is required to provide a good cause statement along with the supplied information as to why such information cannot be disclosed and/or why summarization of such information is not possible.
21. The non-confidential version is required to be a replica of the confidential version with the confidential information preferably indexed or blanked out /summarized depending upon the information on which confidentiality is claimed. The non-confidential summary must be in sufficient detail to permit a reasonable understanding of the substance of the information furnished on confidential basis. However, in exceptional circumstances, parties submitting the confidential information may indicate that such information is not susceptible to summarization; a statement of reasons why summarization is not possible must be provided to the satisfaction of the Authority.
22. The Authority may accept or reject the request for confidentiality on examination of the nature of the information submitted. If the Authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorize its disclosure in generalized or summary form, it may disregard such information.

23. Any submission made without a meaningful non-confidential version thereof or without a good cause statement on the confidentiality claim may not be taken on record by the Authority. The Authority on being satisfied and accepting the need for confidentiality of the information provided; shall not disclose it to any party without specific authorization of the party providing such information.

**Inspection of public file:**

24. In terms of rule 6(7) any interested party may inspect the public file containing non-confidential versions of the evidence submitted by other interested parties.

**Non-cooperation**

25. In case any interested party refuses access to and otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may declare such interested party as non-cooperative and record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

J. S. DEEPAK, Designated Authority

4374 82712-4